

विषयानुक्रमणिका

समर्पणम्	i
पुरोवाक्	iii
सम्पादकीयम्	v

अग्रलेख-खण्डः

1. बौद्ध साहित्य	3-33
आचार्य पी.वी. बापट और आचार्य नलिनाक्ष दत्त	
2. पालि संस्कृत मिश्रित बौद्ध साहित्य	34-44
प्रो. अंगनेलाल	
3. संस्कृतसाहित्यसंवर्धने बौद्धपरम्परायाः अवदानम्	45-58
प्रो. विजयपालशास्त्री	
3. संस्कृतवाङ्मय को बौद्धावदान	59-76
प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी	

शोधालेख-खण्डः

5. बौद्ध-परम्परा का संस्कृत-साहित्य में योगदान	79-112
डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल	
6. महाकवि अश्वघोष एवं उनके दार्शनिक काव्य	113-119
डॉ. शैलेन्द्र नारायण कोटियाल	
7. संस्कृत साहित्य-परम्परा में अश्वघोष विरचित बुद्धचरितम्	120-127
डॉ. विनोद कुमार उनियाल	
8. संस्कृत साहित्य परम्परा में महाकवि अश्वघोष का योगदान	128-133
डॉ. मनोरथ प्रसाद नौगाई	
9. महाकवि अश्वघोष विरचित सौन्दरनन्द एवं बुद्धचरित में शिल्प-विधान	134-139
अतीत कुमार त्रिपाठी	

- | | |
|--|--------------------------------------|
| 10. बुद्धोदय-काव्य में दुःख-मिलने के उपाय | 140-147 |
| | डॉ. ब्रजेन्द्र कुमार सिंहदेव |
| 11. धम्मपज्जोक का राजतरङ्गिणी में उल्लेख | 148-153 |
| | अविनाश वर्मा |
| 12. अवदानशतक : एक दृष्टि | 154-161 |
| | डॉ. वेदव्यास पाण्डेय |
| 13. बौद्ध-संस्कृत-साहित्य में कुनालावदान का स्थान एवं महत्त्व | 162-169 |
| | डॉ. कृपाशंकरशर्मा |
| 14. संस्कृतसाहित्ये बौद्धमतस्य प्रभावः | 170-177 |
| | डा. अनिलकुमारः |
| 15. संस्कृत-साहित्य में बौद्ध-परम्परा का योगदान | 178-182 |
| | डॉ. सुखबीर सिंह, प्रफुल्ल कुमार रावत |
| 16. हर्षवर्द्धनविरचिते नागानन्द-नाटके लोकोपयोगिनी शिक्षा | 183-187 |
| | देवेन्द्रप्रसादः |
| 17. परीक्षित-शर्मणः यशोधरा-महाकाव्यम् : एकं विवेचनम् | 188-194 |
| | प्रो. बनमाली बिश्वालः |
| 18. आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये श्रीबोधिसत्त्वचरितस्य वैशिष्ट्यं महत्त्वञ्च | 195-199 |
| | मधुसूदन सती |
| 19. सुबोधालङ्कारे प्रतिपादितानां दोषगुणालङ्काररसादीनामनुशीलनम् | 200-204 |
| | डा. दिनेशचन्द्रपाण्डेयः |
| 20. बौद्ध-संस्कृत-साहित्य की क्रान्तिकारक रचना : वज्रसूची | 205-215 |
| | डॉ. रोझा मेश्राम |
| 21. संस्कृतव्याकरणस्य विकासे बौद्धधर्माश्रितवैयाकरणाः प्राणायिताः | 216-230 |
| | डा. शशिभूषणमिश्रः |
| 22. संस्कृत बौद्ध साहित्य में सनातन भारतीय शिक्षण परम्परा का स्वरूप | 231-235 |
| | डॉ. सुशील प्रसाद |
| 23. पालि एवं बौद्ध संस्कृत साहित्य में वर्णित भौगोलिक परिस्थितियों का साम्प्रतिक महत्त्व | 236-243 |
| | डॉ. छोटीबाई मीणा |
| 24. बौद्ध साहित्य में लोक जीवन | 244-258 |
| | डॉ. कृष्णा नेगी |
| | डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी |

25. दिव्यावदानग्रन्थे गृहवास्तुविचारः	259-264
	डा. सुरेशशर्मा
26. बौद्ध दर्शन परम्परा में माध्यमिक सम्प्रदाय का उद्भव व विकास	265-272
	डॉ. विकास सिंह
27. पालि एवं संस्कृत साहित्य में सौत्रान्तिक दर्शन के तत्त्व	273-278
	डा. जयवन्त खण्डारे
28. बौद्धन्याये प्रमाणस्वरूपम्	279-282
	किशोरकुमारः
29. नौ नाथ और चौरासी सिद्ध (गढ़वाल के परिप्रेक्ष्य में)	283-293
	डॉ. वीरेंद्र सिंह बत्वाल
30. बौद्ध मूर्तिकला के क्षेत्र में महायान परम्परा का योगदान	294-309
	विनोद पण्डित
31. Digital Buddhist Sanskrit & Pali Literature	310-316
	Pankaj Kotiyal